

शास्त्री तृतीय सत्रार्द्ध  
पुराणेतिहास  
पत्र संख्या - DSE- II  
पाठ्यक्रम विवरणम् -

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

पुराणसंहिता: तन्महत्त्वञ्च।

- पुराणानां स्रोतांसि संहितानिर्माणञ्च।
- पुराणेतिहाससाहित्यम्।
- पुराणशब्दस्य व्युत्पत्तिस्तदर्थनिरूपणञ्च।
- वेदपुराणयोः पार्थक्यम्।
- पुराणानां प्राचीनत्वम्।
- पुराणानां विज्ञानोपयोगित्वम्।
- पुराणानामैतिहासिकमूल्यम्।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

पौराणिकविषयविश्लेषणम्।

- पुराणानां रचनाकालः।
- अष्टादशमहापुराणानि, उपपुराणानि, औपपुराणानि च।
- पुराणानां सात्त्विक-राजस-तामसभेदाः।
- पुराणं पञ्चलक्षणम्।
- अवतारतत्त्वमीमांसा।
- भगवद्भक्तिः, तद्भेदाश्च।
- भुवनकोशः भारतवर्षञ्च।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

**अष्टादश महापुराणानि।**

- पुराणपरिशीलनस्यावश्यकत्वम्।
- ब्रह्मपद्मविष्णुपुराणानि।
- शिवभागवतनारदीयपुराणानि।
- मार्कण्डेयाग्निभविष्यपुराणानि।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

**अष्टादश महापुराणानि।**

- ब्रह्मवैवर्तलिङ्गवाराहपुराणानि।
- स्कन्दवामनकूर्मपुराणानि।
- मत्स्यगरुडब्रह्माण्डपुराणानि।
- अष्टादश महापुराणानां क्रमविमर्शः।

**पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -**

अष्टादशपुराणपरिचयः, डॉ. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

**सहायकसन्दर्भग्रन्थाः**

पुराणपरिशीलनम्, म.म.प.गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।

पुराणविमर्श, पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

पुराणदिग्दर्शन, माधवाचार्य शास्त्री, नई दिल्ली।

पुराणपर्यालोचनम् (1-2 भागः), डॉ. कृष्णमणि त्रिपाठी, चौ. सुर. प्रकाशन, वाराणसी।